जिज्ञासा से होगा शिक्षा का गुणात्मक विकास : ददन

पाकुड़, निप्र : गुणात्मक शिक्षा का विकास तभी संभव है, जब लोगों में पढ़ने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो। इसके लिए लोगों में जिज्ञासा जगानी होगी। उक्त बातें शनिवार को केकेएम कॉलेज परिसर में नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'जनजाति समाज में पठन-पाठन अभिरुचि का विकास कैसे हो' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के मुख्य संपादक डा. बलबंत सिंह ददन ने कही। वहीं डा. कृपा शंकर अवस्थी ने कहा कि आज के इंटरनेट और टीवी युग में पठन अभिरूचि घट जाना आश्चर्य की बात नहीं है। आज पाठ्यक्रम में ऐसी बातों पर ज्यादा जोर है जो हमारी पूरी संस्कृति, आदर्श और परंपराओं को खारिज करती हैं। इससे अभिरूचि के विकास में और बाधा होती है। भाषाओं की अड़चन भी आदिवासी समाज के बच्चों को पढ़ने की अभिरूचि से दूर करती है। डा. अवस्थी ने कहा कि अधिकांश शिक्षक उनकी भाषा से अनभिज्ञ हैं। जनजाति बच्चों के लिए कोई पत्रिकाएं या समाचार पत्र नहीं है। उनकी अभिरूचि जगे भी तो कैसे? इसके पूर्व संगोष्ठी का उद्घाटन प्राचार्य डा. चंद्रशेखर झा, जिला शिक्षा पदाधिकारी बालेश्वर साहनी, एनबीटी के मुख्य संपादक श्री ददन, डा. अशोक प्रियदर्शी, डा.कृपा शंकर अवस्थी, डा. टीपी भगत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया।

पाकुड़ आवाज : 7-10-2012

हिन्दुस्तान : 7-10-2012

केकेएम कॉलेज में संगोष्ठी सह कवि सम्मेलन का आयोजन

शिक्षा विकास की रीढ़ है: डीइओ

पाकुड़ | संवाददूत

स्थानीय केकेएम कॉलेज में शनिवार को कॉलेज प्रबंधन के सहयोग से नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया द्वारा संगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली से एनबीटी इंडिया के चीफ एडिटर बलवंत सिंह बुढ्ढन एवं पाकुड़ जिला शिक्षा पदाधिकारी बालेश्वर साहनी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डीइओ श्री साहनी एवं एनबीटी चीफ एडिटर श्री बुढ्ढन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर किया गया। छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

केकेएम कॉलेज में शनिवार को आयोजित समारोह में उपस्थित छात्र । • हिन्दुस्तान

संबोधित करते हुए श्री बुढ्ढन ने एनबीटी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनबीटी की स्थापना सन 1957 ई. में देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा की गई थी। जिसका मूल उदेश्य देश के प्रचलित सभी भाषाओं में पुस्तकों का प्रकाशन कर हर भारतीय को भाषा के माध्यम से एक दूसरे को समझने का है। उन्होंने एनबीटी से संबंधित कई अन्य जानकारियां भी दी।

वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीईओ श्री साहनी ने कहा कि शिक्षा विकास की रीढ़ है । शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं है। इसके लिए भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य है।

इस अवसर पर उड़ान एवं नीम का पेड़ नामक पुस्तक का लोकार्पण किया गया ।कार्यक्रम में उपस्थित कवियों ने भी शिरकत की ।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. त्रिवेणी प्रसाद भगत, डॉ. सीएस झा , डॉ. सुधीर हेम्ब्रम, डॉ. कृपा शंकर अवस्थी संहित अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे ।